भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *295
दिनांक 05 अगस्त, 2022 को उत्तर के लिए

महिलाओं तथा बच्चों में कुपोषण

***295. श्री गिरीश चन्द्र:**

क्या **महिला और बाल विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:

(क) वर्तमान में देश में महिलाओं और बच्चों में कुपोषण की समस्या से निपटने हेतु कार्यान्वित की जा रही योजनाओं/कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान ऐसे कार्यक्रमों के लिए उत्तर प्रदेश सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार किए गए बजट आबंटन का ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त अवधि के दौरान उत्तर प्रदेश में कुपोषण दर कितनी है; और

(घ) देश में कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए सरकार द्वारा अन्य क्या ठोस उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर

श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी **महिला एवं बाल विकास मंत्री**

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

''महिलाओं तथा बच्चों में कुपोषण'' के संबंध में दिनांक 05.08.2022 को पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. *295 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संदर्भित विवरण

(क) सरकार ने देश में महिलाओं और बच्चों में कुपोषण के मुद्दे को उच्च प्राथमिकता दी है। कुपोषण की चुनौती का समग्र रूप से समाधान करने के लिए, 8 मार्च 2018 को पोषण अभियान शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य समन्वित और परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण अपनाते हुए 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं की पोषण स्थिति में समयबद्ध तरीके से सुधार करना था। पोषण अभियान आईसीटी एप्लिकेशन, अभिसरण, सामुदायिक जुटाव, व्यवहार परिवर्तन और जन आंदोलन, क्षमता निर्माण, प्रोत्साहन और पुरस्कार, और नवाचारों जैसे घटकों के माध्यम से देश भर में कुपोषण के मुद्दों का समाधान करता है। देश भर के सभी जिलों को कवर करते हुए यह अभियान सभी 36 राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में शुरू किया गया है।

इसके अलावा, पोषण संबंधी परिणामों को अधिकतम करने के लिए आंगनवाड़ी सेवा स्कीम, किशोरी स्कीम और पोषण अभियान के तहत प्रयासों को 'सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0' के तहत फिर से संरेखित किया गया है। पोषण 2.0 का उद्देश्य पोषण सामग्री और वितरण में एक कार्यनीतिक बदलाव के माध्यम से बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में कुपोषण की चुनौती का समाधान करना है और स्वास्थ्य, कल्याण और प्रतिरक्षा का पोषण करने वाली प्रथाओं को विकसित करने और बढ़ावा देने के लिए एक अभिसरण पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान पोषण अभियान और आंगनवाड़ी सेवाओं की स्कीमों के तहत आवंटित निधि का उत्तर प्रदेश राज्य सहित राज्य/संघ शासित क्षेत्र-वार विवरण **अनुलग्नक I** में दिया गया है।

(ग) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा संचालित राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के तहत 5 साल से कम आयु के ठिगने, दुबले और अल्पवजन वाले बच्चों और महिलाओं में कुपोषण (सामान्य से कम बीएमआई) की अनुमानित संख्या प्राप्त की जाती है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के अनुसार उत्तर प्रदेश राज्य में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों और 15-49 वर्ष की महिलाओं में कुपोषण के संकेतक निम्नानुसार हैं:

ठिगनापन (%)		**दुबलापन (%)**		**अल्पवजन (%)**		**सामान्य (BMI <18.5 kg/m2) से कम बॉडी मॉस इंडेक्स (बीएमआई) वाली 15-49 वर्ष आयु की महिलाएं**	
एनएफएचएस 4 (2015-16)	**एनएफएचएस 5 (2019-21)**	**एनएफएचएस 4 (2015-16)**	**एनएफएचएस 5 (2019-21)**	**एनएफएचएस 4 (2015-16)**	**एनएफएचएस 5 (2019-21)**	**एनएफएचएस 4 (2015-16)**	**एनएफएचएस 5 (2019-21)**
46.3	**39.7**	**17.9**	**17.3**	**39.5**	**32.1**	**25.3**	**19**

(घ) मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 (मिशन पोषण 2.0) के तहत, पोषाहार मानदंडों और मानकों में सुधार, घर ले जाने वाले राशन (कच्चा राशन नहीं) की गुणवत्ता और परीक्षण के लिए पहली बार एक आदर्श बदलाव किया गया है, जिसमें अधिक से अधिक हितधारकों की भागीदारी, पारंपरिक सामुदायिक भोजन की आदतों से स्वास्थ्य, कल्याण और प्रतिरक्षा का पोषण करने वाली प्रथाओं को लागू करने और पोषण वितरण की लास्ट-माइल ट्रैकिंग और निगरानी के लिए डिजिटल अवसंरचना के समर्थन में सुधार लाने को बढ़ावा दिया गया है।

मिशन पोषण 2.0 मातृ पोषण, शिशु और छोटे बच्चे के आहार के मानदंड, एमएएम/एसएएम के उपचार और आयुष के माध्यम से कल्याण पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह अभिसरण, शासन और क्षमता निर्माण के स्तंभों पर आधारित होगा। पोषण अभियान आउटरीच के लिए एक प्रमुख स्तंभ बना रहेगा और इसमें पोषण संबंधी सहायता, आईसीटी हस्तक्षेप, मीडिया वकालत और अनुसंधान, सामुदायिक आउटरीच और जन आंदोलन से संबंधित नवाचार शामिल होंगे।

मिशन पोषण 2.0 के तहत सुधारात्मक कार्यनीतियों का उद्देश्य पूरक पोषण की गुणवत्ता और परीक्षण, खाद्य फोर्टिफिकेशन, आहार विविधता, ज्ञान की पारंपरिक प्रणालियों का लाभ उठाना और बाजरा के उपयोग को लोकप्रिय बनाना है। पोषण जागरूकता कार्यनीतियां आहार संबंधी कमियों को दूर करने के लिए क्षेत्रीय भोजन योजनाओं के माध्यम से स्थायी स्वास्थ्य और कल्याण के विकास पर ध्यान केंद्रित करेंगी। पोषण वाटिका में उगाई जाने वाली हरी सब्जियों और फलों का उपयोग लाभार्थियों द्वारा उपभोग के लिए, पारंपरिक व्यंजनों को

तैयार करने और स्थानीय समुदाय को आहार विविधता के लिए प्रेरित करने के लिए किया जाएगा। संचार कार्यनीतियां कुपोषण की चुनौतियों का समाधान करने और स्थानीय भागीदारी और जवाबदेही बनाने के लिए समुदाय आधारित कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करेंगी। पोषण अभियान की शुरुआत के बाद से, जन आंदोलन के तहत 40 करोड़ से अधिक गतिविधियों का आयोजन किया गया है और 3.7 करोड़ से अधिक समुदाय आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

*****

अनुलग्नक I

पिछले तीन वर्षों वित्त वर्ष 2019-20 से 2022-23 (03.08.2022 तक) के दौरान पोषण अभियान और आंगनवाड़ी सेवाओं के तहत जारी की गई निधियों का राज्य/संघ शासित क्षेत्र-वार विवरण

लाख रुपये

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	पोषण अभियान	आंगनवाड़ी सेवाएं
1	अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	926.6	4168.4
2	आंध्र प्रदेश	14186.23	212841.9
3	अरुणाचल प्रदेश	1106.22	37705.25
4	असम	15158.04	361951.26
5	बिहार	27300.48	412391.32
6	चंडीगढ़	582.86	3983.04
7	छत्तीसगढ	839.58	159288.22
8	डी एंड एन हवेली और दमन और दीव	878.14	2676.32
9	दिल्ली	174.35	36671.27
10	गोवा	20.19	4666.78
11	गुजरात	14863	213622.1
12	हरियाणा	415.39	53446.68
13	हिमाचल प्रदेश	4960.00	75532.66
14	जम्मू और कश्मीर	1730.53	101475.62
15	झारखंड	0	124438.5
16	कर्नाटक	9021.97	245978.66
17	केरल	2679.61	102930.13
18	लद्दाख	118.768	3766.51
19	लक्षद्वीप	226.75	547.17
20	मध्य प्रदेश	1554.16	352076.4
21	महाराष्ट्र	34829.246	423258.3
22	मणिपुर	184.16	56433
23	मेघालय	2897.136	53510.6
24	मिजोरम	2251.48	17413.86
25	नागालैंड	4208.4	45757
26	ओडिशा	12842.35	264304.87
27	पुदुच्चेरी	510.68	1191.62
28	पंजाब	0	75525.07
29	राजस्थान	8941	189843.99
30	सिक्किम	943.928	7026.44
31	तमिलनाडु	11509	191477.77
32	तेलंगाना	7574.2	134004.79
33	त्रिपुरा	162.32	50525.01
34	उत्तर प्रदेश	18945.49	674943.53
35	उत्तराखंड	7407.07	98125.27
36	पश्चिम बंगाल	1911.7	287955.86
योग		**211861.03**	**5081455**